M–221

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय –आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. विद्यापति के काव्य का मूल प्रश्रय भाव क्या है ?
2. कृष्ण का उल्लेख सर्वप्रथम कहाँ मिलता है ?
3. घनानन्द रीतिकाल की किस काव्यधारा के कवि हैं ?
4. बिहारी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
5. मीरा की किन्हीं दो प्रचलित रचनाओं के नाम क्या हैं ?
6. पुष्टिमार्ग का जहाज किस कवि को कहा गया है ?
7. 'मृगावती' में किसकी प्रेमकथा का वर्णन है ?
8. "जेहि सर घड़ा न डूबता, मैं गल मलि मलि न्हाय" किस कवि की पंक्ति है ?

खण्ड–ब

9. विद्यापति की प्रमुख डुतियों का परिचय दीजिए।
10. "विद्यापति अपरूप वर्णन के कवि हैं।" स्पष्ट कीजिए।
11. घनानन्द की भाषा पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

12. सतसई परम्परा का उल्लेख कीजिए।
13. अष्टछाप के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
14. जायसी के अनुभूति पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न मतों को स्पष्ट कीजिए।
16. विद्यापति की सामाजिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।
17. जायसी पर भारतीय संस्कृति के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।
18. तुलसी द्वारा परिभाषित आदर्श परिवार पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. मीरा के काव्य का वर्णन कीजिए।
20. बिहारी की भक्ति–भावना को स्पष्ट कीजिए।
21. भूषण के काव्य का अभिव्यंजना पक्ष स्पष्ट कीजिए।
22. सूर की दार्शनिक भावना को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. बिहारी की बहुज्ञता की विस्तृत विवेचना कीजिए।
24. "घनानन्द प्रेम के कवि हैं।" सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक)**

M–222

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय –आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. 'रंग में भंग' किसकी रचना है ?
2. 'कामायनी' की रचना किस सन् में हुई ?
3. आधुनिक काल की मीरा किस कवयित्री को कहा जाता है ?
4. रामधारी सिंह 'दिनकर' को उनकी किस कृत के लिए भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है ?
5. 'मिलन यामिनी' किसकी डुति है ?
6. नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है ?
7. 'साये में धूप' के रचनाकार कौन हैं ?
8. रघुवीर सहाय का जन्म कहाँ हुआ था ?

खण्ड–ब

9. मैथिलीशरण गुप्त की काव्ययात्रा पर प्रकाश डालिए।

10. महादेवी वर्मा का नव–रहस्यानुभूति से क्या तात्पर्य है ?
11. 'पाषाण नहीं था' काव्य का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।
12. अज्ञेय के काव्य में अस्तित्ववाद क्या है ?
13. रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।
14. नरेन्द्र शर्मा के काव्य में अलंङुति का क्या योगदान रहा ?

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. 'जूही की कली' कविता के काव्यगत सौन्दर्य की व्याख्या कीजिए।
16. नागार्जुन द्वारा रचित 'हरिजन–गाथा' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।
17. दुष्यन्त कुमार की काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए, 'साये में धूप' काव्य के मुख्य प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
18. रघुवीर सहाय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. "सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रीयता का मिला–जुला स्वर प्रसाद के काव्य की प्रमुख विशेषता है।" इस कथन पर अपने विचार दीजिए।
20. महादेवी वर्मा के काव्य के अभिव्यंजना पक्ष पर प्रकाश डालिए।
21. "नागार्जुन का काव्य प्रगतिशील चेतना का काव्य है।" इस कथन पर प्रकाश डालिए।
22. "अज्ञेय के उपमानों में नयापन है।" इस कथन के संदर्भ में अज्ञेय के काव्य में अप्रस्तुत योजना पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. निराला की काव्यगत विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइये।
24. बच्चन के काव्य की काव्यगत विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–223

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय –हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड–अ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परम्परा में गार्सा द तासी द्वारा किस ग्रंथ की रचना की गई ?
2. गुरु सुआ जेहि पंथ देखावा, बिनु जगत को निरगुण पावा
   किस रचना का पद है ?
3. अष्टछाप के कवियों में प्रमुख ;प्रथमद्ध नाम कौन है ?
4. छायावाद की पहली रचना के रूप में किस काव्यसंग्रह का उल्लेख मिलता है ?
5. केदारनाथ अग्रवाल किस वाद के कवि हैं ?
6. 'भारतदुर्दशा' के रचनाकार कौन हैं ?
7. घनानन्द की प्रेयसी का क्या नाम था ?
8. किस कविता से हरिवंशराय बच्चन को प्रतिष्ठा/पहचान मिली ?

खण्ड–ब

9. भक्तिकालीन काव्य का संक्षिप्त परिचय प्रदान कीजिए।
10. ड्डष्णभक्ति प्रमुख रचनाकारों के नाम व रचना का नाम लिखिए।
11. रीतिकाल को श्रृंगार काल क्यों कहा गया है ?
12. भारतेन्दु युग, जागरण काल का संक्षिप्त परिचय प्रदान कीजिए।
13. प्रगतिवादी कवि एवं उनकी रचना का परिचय प्रदान कीजिए।
14. नाथ साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन पर सामान्य परिचय दीजिए।
16. सूफी काव्य परम्परा के प्रमुख आचार्य व उनकी उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
17. आधुनिक काल की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
18. हिन्दी कथा साहित्य के उद्‌भव व विकास पर लेख लिखिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. नाथ एवं सिद्ध साहित्य का हिन्दी साहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए।
20. संतकाव्य परम्परा का वर्णन कीजिए।
21. छायावाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
22. समकालीन कविता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. हिन्दी साहित्य का इतिहास के काल विभाजन का वर्णन कीजिए।
24. प्रयोगवादी कविता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–224

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय –काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड–अ

1. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' किसने कहा ?
2. वीर रस का स्थायी भाव लिखिए।
3. रीति सिद्धान्त के स्थापक आचार्य कौन हैं ?
4. आचार्य भामह के काव्यशास्त्रीय ग्रंथ का नाम लिखिए।
5. ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख आचार्य कौन हैं ?
6. अरस्तू का जन्म कहाँ हुआ था ?
7. एल्फ्रेड एडलर किस सिद्धान्त के संस्थापक हैं ?
8. अभिव्यंजनावाद का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

खण्ड–ब

9. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने काव्य किसे कहा ?
10. संचारी भाव क्या है ?
11. आचार्य कुंतक के अनुसार गुणों के नाम लिखिए।
12. ध्वनि क्या है ? परिभाषा लिखिए।
13. त्रासदी के परिप्रेक्ष्य में 'विचार तत्व' क्या है ?
14. अभिव्यंजनावाद क्या है ?

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. तुलनात्मक आलोचना क्या है ? समझाइये।
16. अस्तित्ववाद क्या है ?
17. प्लेटो का काव्य सि(ान्त लिखिए।
18. औचित्य सि(ान्त को समझाइये।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. मार्क्सवाद क्या है ? समझाइये।
20. शैली को परिभाषित करते हुए उसके भेद लिखिए।
21. वक्रोक्ति को समझाइये।
22. औचित्य का अर्थ बताते हुए परिभाषा लिखिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. अलंकार सिद्धान्त क्या है ? उसके भेदों को उदाहरण सहित समझाइये।
24. मनोविश्लेषणवाद को काव्य के आलोक में विस्तार से समझाइये।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**